• चंबा में...

नाले में गिरने से दो भाइयों की मौत

मैहला : ग्राम पंचायत कुनेड में दो भाइयों की नाले में गिरने से मौत हो गई। मृतकों की पहचान केवल कुमार व छज्जू दोनों वासी गांव मठैना, किलोड के तौर पर की गई है। ये दोनों आपस में ताया-चाचा के बेटे थे। पुलिस ने शवों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चूड़ी में पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिए हैं। जानकारी के अनुसार मठैना गांव के ये दोनों भाई बुधवार गत देर शाम कुनेड से अपने घर की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान रास्ते में भयाल छौ के पास अनियंत्रित होकर ढांक से लुढ़कर नीचे नाले में जा गिरे। परिणामस्वरूप दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। इन दिनों के घर न लौटने पर परिजनों ने अनुमान लगाया कि यह रात्रि विश्राम के लिए रुक गए हैं।

सवेरे राह गुजरते ग्रामीण की नजर नीचे नाले में पड़ी और दोनों को मृत हालत पर गिरा पाया। इसकी सूचना तुरंत दोनों के परिजनों व पुलिस को दी गई। सूचना पाते ही गैहरा पुलिस चौकी से टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने परिजनों व ग्रामीणों के सहयोग से दोनों शवों को नाले से उठाकर पोस्टमार्टम हेतु भिजवाया।

नई शिक्षा नीति लागू करने पर रोक

शिमला : लोकसभा चुनाव और विधानसभा उपचुनाव की आचार संहिता के बीच राष्ट्रीय शिक्षा नीति को लेकर किसी भी तरह का आदेश जारी करने पर हिमाचल सरकार ने रोक लगा दी है। यह रोक हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय शिमला और सरदार पटेल यूनिवर्सिटी मंडी के लिए लगाई गई है। शिक्षा सचिव की ओर से दोनों विश्वविद्यालयों के रजिस्ट्रार को ये आदेश जारी हुए हैं। जारी आदेशों में कहा गया है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को हिमाचल में लागू करने के लिए आठ सितंबर, 2020 को एक टास्क फोर्स बनाई गई थी। इसी टास्क फोर्स की अनुमति से इस बारे में सारे फैसले होंगे। इससे पहले भी प्रदेश के विश्वविद्यालयों ने इस दिशा में आगे बढ़ते हुए कुछ कदम उठाए हैं। अब तक कितने कदम ऐसे उठाए गए हैं, इसकी जानकारी शिक्षा सचिव कार्यालय को दी जाए।

• संपादकीय...

जरूरी है परिवार का साथ

आज की दुनिया में अधिकतर लोग अपने घर और परिवार से दूर रहते हैं। ऐसे लोगों से जब उनके जिंदगी के सबसे खूबसूरत दिनों के बारे में पूछा जाता है, तो वे अपने जीवन के शुरुआती सालों के सबसे अच्छा बताते हैं, जब वे अपने परिवारों के साथ रहा करते थे। ये हमारा परिवार ही है, जो हमारे जीवन में सबसे महत्वपूर्ण होना चाहिए और इसलिए उनके महत्व को निरंतर याद रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस मनाना चाहिए। पहली बार विश्व परिवार दिवस 1994 में मनाया गया था। हालांकि इस दिन की नींव 1989 में ही रख दी गई थी। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने जीवन में परिवार के महत्व को बताने के उद्देश्य से 9 दिसंबर 1989 के 44/82 के प्रस्ताव में हर साल अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस मनाने की घोषणा की थी। बाद में साल 1993 में यूएन जनरल असेंबली ने एक संकल्प में परिवार दिवस के लिए 15 मई की तारीख तय कर दी। इसके बाद से हर साल 15 मई को विश्व परिवार दिवस मनाया जाने लगा।

विश्व परिवार दिवस को मनाने की शुरुआत करने के पीछे की वजह दुनियाभर के लोगों को परिवार से जोड़े रखना और परिवार से जुड़े मुद्दों पर समाज में जागरूकता फैलाना था। हर साल इस दिन को मनाकर युवाओं को परिवार की अहमियत के बारे में बताया जाता है।आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में अपनों से दूर रहने से परिवार की अहमियत कम हुई है। समाज में कई ऐसे परिवार हैं, जिनमें आपसी तनाव के चलते दूरियां बढ़ गई हैं। कई परिवारों में मतभेद होने से लोग दूर चले जाते हैं, ऐसे में वहां आने वाले कष्टों को सहन करते-करते वह अवसाद का शिकार होने लगते हैं, क्योंकि यहां उन्हें ढांढस बधाने वाला कोई नहीं होता है। यदि आप परिवार के साथ होते हैं तो बेशक कुछ अनबन हो जाए पर आपसी संवाद से दिमाग को रिलेक्स मिलता है। परिवार ही इंसान को सही रास्ता दिखाता है। किसी भी तरह की दिक्कत-परेशानी होने पर परिवार का ही साथ मिलता है। परिवार में बेशक कई उतार-चढ़ाव भी आ सकते है, लेकिन इस दौरान आपकी समझदारी ही बेहतर विकल्प होगा।क्योंकि जब कोई साथ नहीं होता तब परिवार होता है।

■ **अनल पत्रवाल**
संपादक, हिमाचल अभी अभी

हमीरपुर की नैंसी ने दौड़ाई सवारियों से भरी निजी बस

बस अड्डे पर सवारियों से भरी बस लेकर पहुंचीं चालक नैंसी ने हौसला अफजाई के लिए खुशी जाहिर की। नैंसी ने बीते वर्ष ही एचआरटीसी हमीरपुर में बस चलाने का प्रशिक्षण प्राप्त किया है और इससे पहले वह कांगडा में एबुंलेंस चला रही थीं और अब हमीरपुर में निजी बस चलाने वाली पहली महिला चालक बनी हैं।

नैंसी ने बताया कि छोटी गाड़ी चलाने से सफर शुरू हुआ था और माता-पिता ने चालक बनने के लिए सहमति दी और उसके बाद दो माह का एचआरटीसी में प्रशिक्षण लेकर लाइसेंस लिया है...

● अशोक राणा/ हमीरपुर

कुछ हटकर करने के जज्बे के चलते हिमाचल प्रदेश के जिला हमीरपुर की ग्राम पंचायत कश्मीर की बेटी नैंसी ने बस चलाने के लिए स्टीयरिंग थामा है। नैंसी हिमाचल की पहली निजी बस चालक बनी हैं। नैंसी ने निजी बस सर्विस आरटीसी में बतौर चालक सेवाएं देना शुरू कर दी हैं। गुरुवार को पहले दिन नैंसी ने गलोड़ रूट की बस में बतौर चालक सेवाएं दीं। हमीरपुर बस अड्डे पर पहुंचते ही बस प्रबंधक विजय ने टोपी व पुष्प देकर नैंसी का स्वागत किया।

बस अड्डे पर सवारियों से भरी बस लेकर पहुंचीं चालक नैंसी ने हौसला अफजाई के लिए खुशी जाहिर की। नैंसी ने बीते वर्ष ही एचआरटीसी हमीरपुर में बस चलाने का प्रशिक्षण प्राप्त किया है और इससे पहले वह कांगडा में एबुंलेंस चला रही थीं और अब हमीरपुर में निजी बस चलाने वाली पहली महिला चालक बनी हैं। नैंसी ने बताया कि छोटी गाड़ी चलाने से सफर शुरू हुआ था और माता-पिता ने चालक बनने के लिए सहमति दी और उसके बाद दो माह का एचआरटीसी में प्रशिक्षण लेकर लाइसेंस लिया है।

उन्होंने बताया कि आज पहली बार निजी बस में सवारियों को लेने का अच्छा अनुभव रहा है। नैंसी का सपना एचआरटीसी की बस में चालक बनना है। नैंसी ने बताया कि अगर परिवार सहयोग दे तो लड़कियां भी किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ सकती हैं। नैंसी ने बताया कि लड़कियों को अपनी झिझक छोड़नी पड़ती है और हिम्मत नहीं हारनी चाहिए।

वहीं बस में सवारियों ने भी नैंसी के बस चालक बनने पर खुशी जाहिर की। कहा कि उन्होंने बताया कि पहली बार महिला चालक के साथ बस में सफर करते हुए बहुत अच्छा लगा। बस में सफर कर रही महिला निशा और नेहा ने बताया कि बहुत गर्व महसूस हो रहा है कि लड़की बस चला रही है। उन्होंने कहा कि लड़कियों के लिए नैंसी प्रेरणास्त्रोत हैं।

नैंसी के भाई ने बताया कि नैंसी को सभी का सहयोग मिलता है। लड़कियों को आज आगे आने की जरूरत है। निजी बस आरटीसी के प्रबंधक विजय ने बताया कि नैंसी से बस चलाने के लिए पूछा था,जिस पर उसने सहमति जताई और आज बतौर बस चालक सेवाएं शुरू की हैं।

उन्होंने कहा कि बेटियों को आगे बढ़ने की कोशिश करनी चाहिए। बता दें, सीमा ठाकुर हिमाचल की पहली महिला बस ड्राइवर हैं। वह हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम की भी पहली महिला बस चालक हैं।

टोल बैरियर पर हंगामा

नालागढ़ : औद्योगिक क्षेत्र नालागढ़ के तहत बघेरी स्थित इंटरस्टेट टोल बैरियर पर स्थानीय ट्रक आपरेटरों व टोल बैरियर कांट्रैक्टर के बीच टोल टैक्स छूट के मसले पर उपजा विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। एक माह से ट्रक आपरेटरों व टोल बैरियर संचालक टोल टैक्स की छूट की मांग को लेकर आमने-सामने हैं। इस मसले के बीच स्थानीय ट्रक आपरेटरों ने मुख्य सड़क के बजाय संपर्क मार्ग से वाहनों की आवाजाही शुरू कर दी, लेकिन टोल बैरियर संचालक ने उसे भी बंद करवा दिया, जिससे विवाद बढ़ गया और गुरुवार को ट्रक आपरेटर भड़क उठे। इसी कड़ी में नालागढ़ के विधायक केएल ठाकुर व पूर्व विधायक लखविंद्र राणा, योगश्वर राणा के नेतृत्व में सैंकड़ों ट्रक संचालकों ने टोल बैरियर आपरेटरों के खिलाफ बघेरी में जमकर नारेबाजी कर विरोध जताया। इस दौरान एहतियातन पुलिस ने भी मोर्चा संभाले रखा। वहीं राज्य कर एवं आबकारी सोमदत शर्मा भी मौके पर पहुंचे और ट्रक संचालकों को समझाने की कोशिश की, लेकिन ट्रक संचालक अपनी मांग पर अड़े रहे। नालागढ़ के विधायक केएल ठाकुर व पूर्व विधायक लखविंद्र राणा ने कहा कि यह स्थानीय लोगों का हक है और अगर जबरन रास्तों को बंद करने का प्रयास किया गया, तो उसे किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर स्थानीय ट्रक चालकों के पर्ची वसूली गई, तो वह मजबूर आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। नालागढ़ के विधायक केएल ठाकुर ने कहा कि जैसी व्यवस्था बीते दो दशकों से चल रही है उसे आगे भी जारी रखा जाना चाहिए। उन्होंने सरकार से आग्रह किया इनकी टोल छूट पूर्व की भांति बरकरार रखी जाए।

• हादसा...

टनल में पानी का रिसाव

जोगेंद्रनगर : हिमाचल प्रदेश के मंडी-कांगड़ा सीमा पर स्थित 25 मेगावाट पन विद्युत परियोजना की एचआरडी टनल में पानी के रिसाव से मुल्थान गांव और बाजार में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए हैं। क्षेत्र में भारी नुकसान की सूचना है। रिहायशी इलाकों और किसानों की उपजाऊ भूमि को पानी के तेज बहाव से क्षति हुई है। प्रोजेक्ट के साथ लगते क्षेत्रों में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। राहत और बचाव कार्य के लिए पुलिस प्रशासन, राजस्व विभाग के साथ पन विद्युत परियोजना के कई अधिकारी और कर्मचारी डटे रहे। दक्षिण की एक निजी कंपनी के इस प्रोजेक्ट में पिछले साल भी एचआरडी टनल में रिसाव हुआ था, उस दौरान भी परियोजना प्रबंधन और आसपास के लोगों को नुकसान उठाना पड़ा था। शुक्रवार सुबह फिर 800 मीटर टनल का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त होने से अब मुल्थान गांव और बाजार में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। बता दें कि लबांडग 25 मेगावाट विद्युत प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य 2003 में शुरू हुआ था। इसी साल फरवरी में विद्युत उत्पादन शुरू होने के बाद सुरंग में रिसाव से अब विद्युत उत्पादन ठप हो गया है। परियोजना के प्रोजेक्ट मैनेजर देवी सिह चौहान ने बताया कि टनल से पानी के अचानक रिसाव हो जाने से विद्युत उत्पादन रोकना पड़ा है। आसपास के प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव कार्य जारी है।

• एडवांस बुकिंग...

शिमला : राजधानी में वीकेंड के लिए 60 फीसदी कमरों की एडवांस बुकिंग हो चुकी है। वीकेंड पर छुट्टियों के कारण एडवांस बुकिंग में बढ़ोतरी हुई है। शिमला में पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने से कारोबारियों को अब पर्यटन कारोबार पटरी पर लौटने की उम्मीद है। इस पूरे सप्ताह शिमला में पर्यटकों की आवाजाही में पिछले सप्ताह की अपेक्षा 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस कारण शिमला के ज्यादातर होटलों में कमरों की एडवांस बुकिंग के चलते शहर में पर्यटन कारोबारी खुश हैं। मैदानी क्षेत्रों में गर्मी बढ़ने और स्कूलों की छुट्टियों की वजह से पर्यटक शिमला का रुख कर रहे हैं।